बाप ,टीचर और सतगुरु की याद बनाती पावन

इन तीन अक्षरों को करना याद

मित्र संबंधियो आदि की भी करो तुम सर्विस

कदम कदम पर है पद्मो की कमाई

बनाती जो पद्मापति भाग्यशाली

और कोई हट्टी नही यहाँ

आना है एक दिन सबका जहाँ

इस राज़ को जो समझे और समझाए

विश्व कलायणकारी कहलाये

बहुत हो गया अब भटकना

देना पैगम्बर बन पैगाम

नाराज़ नही कोई को करना

गृहस्थ व्यवहार में सदा पवित्र रहना

जिसकी कर्ममेंद्रिया होती लॉ और आर्डर में

कर्म होता उनका हरदम श्रेष्ठ कर्मयोगी वो कहलाते

दो तख़्त को होते फिर मालिक

स्वराज्य और वरसे के बनते अधिकारी

जो सीट सदा स्वमान में रहते

गुणवान और महान बन जाते

मेरा बाबा

ॐ शांति!!!